# ८.सुनो किशोरी

---

**(आकलन)**

**१. (अ) अंतर स्पष्ट कीजिए :-**

| रूढ़ि | परंपरा |
|---|---|
| (१) रूढ़ि स्थिर होती है। | (१) परंपरा निरंतर गतिशील है। |
| (२) रूढ़ि ऐसी रीति-नीति है, जो समय के साथ अपना अर्थ खो चुकी है। | (२) परंपरा समय के साथ बहती धारा है, जो उपयोगी हो गए मूल्यों को छोड़कर उपयोगी मूल्यों के साथ आगे बढ़ती है। |

**(अ) कारण लिखिए :**
(१) सुगंधा का पत्र पाकर लेखिका को खुशी हुई **क्योंकि सुगंधा लेखिका की पुत्री थी।**

**(२) पश्चिमी मूल्य रूपी फल हमारे किसी काम के नहीं होंगे**

**उत्तर :** जिस प्रकार हर पौधे को पनपने, फलने-फूलने के लिए विशेष प्रकार की भूमि की आवश्यकता होती है, हर पौधा हर स्थान पर नहीं पनप सकता, उसी प्रकार हर देश व संस्कृति और समाज के मूल्य भी अलग होते हैं। पश्चिमी सभ्यता का अंधानुकरण भारतीय समाज के लिए अग्राह्य होगा।

**(शब्द संपदा )**

**२. शब्द युग्म को पाठ के आधार पर पूर्ण कीजिए :**
(१) क्षत - **विक्षत**

(२) आदान - **प्रदान**

(३) सूझ - **समझ**

(४) सोच - **समझ**

**(अभिव्यक्ति)**

**३. (अ) 'विद्यार्थी जीवन में मित्रता का महत्व', इस विषय पर अपना मंतव्य लिखिए ।**

**उत्तर :** विद्यार्थी जीवन स्वतंत्र जीवन होता है। यह ऐसा महत्त्वपूर्ण समय होता है, जिसमें विद्यार्थी चाहे तो अच्छा इनसान बन सकता है और बिगड़ना चाहे तो बिगड़ सकता है। यह ऐसी अवस्था है, जब एक युवा या युवती के विकास में उसके संगी साथियों का बहुत अधिक प्रभाव होता है। यदि इस समय अच्छे विद्यार्थियों से मित्रता होगी, तो वह भविष्य में अच्छा ही रहेगा और यदि उसकी संगति बुरे विद्यार्थियों से होगी तो उस पर भी बुरी संगत का असर होगा और वह भी अपने लक्ष्य से भटक जाएगा। सच्चा मित्र हमारे सुख-दुख में सदैव हमारा साथ देता है। हमारी उलझनों, परेशानियों को दूर करने में हमारी सहायता करता है।

**(आ) 'युवा पीढ़ी किस ओर', इस विषय पर अपने विचार लिखिए।**

**उत्तर :** युवा वर्ग किसी भी समाज व देश के लिए आशा की किरण होता है। देशवासी युवाओं में देश का भविष्य देखते हैं। परंतु आज की युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति, अपने मूल्यों को तो काट फेंकना चाहती है परंतु पश्चिमी संस्कृति के पीछे दीवानी हो रही है। युवा पीढ़ी कर्तव्य-पालन के समय देशों के उदाहरण दिया करती है। वहाँ युवक-युवती प्रारंभ से ही अपनी अलग गृहस्थी बसा लेते हैं। परंतु ये लोग इस तथ्य को नकार देते हैं कि वहाँ बहुत छोटी अवस्था से ही किशोर-किशोरी स्वावलंबी हो जाते हैं। वे अपने पोषण के लिए माता-पिता पर निर्भर नहीं करते। प्रत्येक संस्कृति के जीवन-मूल्य अलग होते हैं। भारतीय युवाओं को यह तथ्य समझना चाहिए।

**(पाठ पर आधारित लघूत्तरी प्रश्न)**

**४. (अ)**
**'उड़ो बेटी, उड़ो ! पर धरती पर निगाह रखकर', इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** उड़ो बेटी, उड़ो पर धरती पर निगाह रखकर के द्वारा लेखिका का कहना है कि सपने देखना, उन्हें पूरा करने का प्रयास करना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। परंतु हमें अपनी महान सभ्यता, अपनी संस्कृति व अपने जीवन मूल्यों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए। अपनी धरती से, अपनी जड़ों से कटकर कोई भी व्यक्ति लंबे समय तक सुखी नहीं रह पाता। जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं, जब पीछे छोड़ दिए गए रिश्ते और लोग हमें याद आते हैं और हमें व्याकुल कर जाते हैं।

**(आ) पाठ के आधार पर रूढी-परंपरा तथा मूल्यों के बारे में लेखिका के विचार स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** समय के साथ अपना अर्थ खो चुकी या वर्तमान प्रगतिशील समाज को पीछे ले जाने वाली समाज की कोई भी रीति-नीति रूढ़ि है। रूढ़ि स्थिर होती है। जबकि परंपरा समय के साथ अनुपयोगी हो गए मूल्यों को छोड़ती और उपयोगी मूल्यों को जोड़ती निरंतर बहती धारा परंपरा है। परंपरा

गतिशील है। एक निरंतर बहता निर्मल प्रवाह, जो हर सड़ी-गली रूढ़ि को किनारे फेंकता और हर भीतरी-बाहरी, देशी-विदेशी उपयोगी मूल्य को अपने में समेटता चलता है।

**(साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान)**

**५. (अ) आशारानी व्होरा जी के लेखन कार्य का प्रमुख उद्देश्य -** विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी रही महिलाओं के जीवन संघर्ष को चित्रित करना और वर्तमान नारी वर्ग के सम्मुख उनके आदर्श प्रस्तुत करना।

**(आ) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ -** (१) भारत की प्रथम महिला

(२) स्वतंत्रता सेनानी लेखिकाएँ
(३) क्रांतिकारी किशोरी
(४) स्वाधीनता सेनानी
(५) लेखक पत्रकार

**६. कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करके फिर से लिखिए :**
**(१) मनुष्य जाति की नासमझी का इतिहास क्रूर और लंबा है। (प्रश्नात्मक वाक्य)**

**उत्तर :** क्या मनुष्य जाति की नासमझी का इतिहास क्रूर और लंबा है?

**(२) दया निर्बल थी, वह इतना भार सहन न कर सकी। (निषेधात्मक वाक्य)**

**उत्तर :** दया सबल नहीं थी, वह इतना भार सहन न कर सकी।

**(३) अपनी समस्याओं पर माँ से खुलकर बात करके उनसे सलाह ले। (प्रश्नात्मक वाक्य)**

**उत्तर :** क्या अपनी समस्याओं पर माँ से खुलकर बात करके उनसे सलाह लेती है?

**(४) मेरे साथ न्याय नहीं हुआ है। (विधि वाक्य)**

**उत्तर :** मेरे साथ न्याय करें।

**(५) शेष आप इस लिफाफे को खोलकर पढ़ लीजिए। (आज्ञार्थक वाक्य)**

**उत्तर :** शेष आप इस लिफाफे को खोलकर पढ़ो।

**(६) ऐसे समय वह तुम्हारी बात न सुने। (विधि वाक्य)**

**उत्तर :** ऐसे समय वह तुम्हारी बात सुने।

**(७) वे निरर्थक हैं तो फिर सार्थक क्या है? (विधानार्थक वाक्य)**

**उत्तर :** वे निरर्थक हैं।

**(८) में तुम्हें खिलौना समझता रहा और तुम साँप निकले। (विस्मयादिबोधक वाक्य)**

**उत्तर :** अच्छा में तुम्हें खिलौना समझता रहा और तुम साँप निकले।

**(९) इस क्षेत्र में भी रोजगार की भरपूर संभावनाएँ हैं। (निषेधात्मक वाक्य)**

**उत्तर :** इस क्षेत्र में रोजगार की भरपूर संभावनाएँ नहीं हैं।

**(१०) आप भी तो एक विख्यात फीचर लेखक हैं। (विस्मयादिबोधक वाक्य)**

**उत्तर :** आप एक विख्यात फीचर लेखक हैं!